

अथवा अन्य किसी अज्ञात कारण से वस्तु का बीच से टूटना, बीच में से आंशिक रूप से खंडित हो जाना अथवा विदीर्ण होना जैसे- भूमि फटना, सिर फटना आदि 2. किसी वस्तु का कोई भाग अलग हो जाना जैसे- कागज फटना, वस्त्र फटना आदि 3. बिखर जाना, छिन्न-भिन्न हो जाना जैसे- काई फटना, बादल फटना आदि 4. अधिक समय रखे रहने से अथवा किसी खट्टे पदार्थ के पड़ने से दूध का जलीय भाग तथा सार भाग अलग-अलग हो जाना, दूध फटना 5. लाक्ष. अत्यधिक पीड़ा होना जैसे- दर्द से सिर फटना, अपमान से हृदय फटना 6. किसी विस्फोटक पदार्थ का जोर से शब्द करते हुए विच्छिन्न होना जैसे- बम फटना 7. विकृत अवस्था को प्राप्त होना, विकारग्रस्त होना जैसे- गाते गाते गला फटना

**फाइखाऊ वि.** (देश.) 1. फाइकर खा जाने वाला, हिंसक 2. बिगड़ैल, खूंखार।

**फाइन स्त्री.** (देश.) 1. किसी कपड़े अथवा कागज आदि का टुकड़ा जो फाड़ने से निकला हो 2. छेने (पनीर) का पानी।

**फाड़ना स.क्रि.** (देश.) 1. किसी धारदार अथवा नुकीली वस्तु से या हाथ से किसी वस्तु के अंश अलग करना या टुकड़े-टुकड़े करना, विदीर्ण करना जैसे- कागज फाड़ना, कपड़ा फाड़ना, लकड़ी फाड़ना आदि 2. मुख अथवा आँख आदि को प्रयत्न पूर्वक बहुत अधिक खोलना जैसे- मुँह फाड़ना, आँखे फाड़ना आदि 3. नींबू आदि खट्टे पदार्थ डालकर दूध के सार-तत्त्व से उसके जल को अलग करना।

**फातिहा स्त्री.** (अर.) 1. आरंभ 2. प्रार्थना, कुरान की पहली सूरत, आयत जो मृतकों की सद्गति की कामना से उनके मजार अथवा कब्र पर पढ़ी जाती है 3. परलोकगत आत्मा की सद्गति के लिए कुरान की पहली आयत पढ़ने की परंपरा (रस्म) 4. वह चढ़ावा जो मृतकों के नाम पर दिया जाता है।

**फादर पुं.** (अं.) 1. पिता, जन्म-दाता, 2. (ईसाई) पादरी।

**फानना स.क्रि.** (तद्.) 1. (रुई) धुनना, रुई फटकना 2. किसी कार्य को प्रारंभ करना।

**फाना पुं.** (देश.) आयु. शरीर के प्रमस्तिष्क और श्रवणशक्ति की संवेदना को परस्पर जोड़ने वाला खाँचानुमा एक विशिष्ट अंगजीव. विशिष्ट प्रकार के कीड़ों की अंतस्त्वचा का एक फानाकार खंड।

**फानूस पुं.** (फा.) 1. एक प्रकार का बड़ा कंदील, प्रायः छत से लटकाया जाने वाला एक उपकरण जिसमें दंडे में लगे शीशे आदि से निर्मित विविध आकर्षक आकृतियों के पात्र, उनमें जलाए जाने वाले दीपक, बल्ब आदि की सुरक्षा करते हैं 2. ईंटों को पकाने अथवा धातुओं को गलाने की भट्टी।

**फाफर पुं.** (देश.) कूटू (एक विशेष प्रकार का पौधा जिसके बीजों का आटा व्रत में फलाहार के रूप में खाया जाता है) कुल्लू, काठू, कोठू आदि।

**फाल स्त्री.** (तद्.) फलक, कटी हुई सुपारी, छाली पुं. (तद्.) 1. फलांग, प्लव, डग, एक डग का फासला 2. हल की अँकड़ी में लगाया जाने वाला नुकीला लोहा जिससे जमीन जुतती या खुदती है, कुस, कुसी 3. दिव्य या दैवी परीक्षा 4. माँस की पट्टी, सीमंत भाग 5. गुलदस्ता 6. फलाँग, एक तरह का फावड़ा 7. पूला 8. ललाट 9. बलराम 10. शिव 11. बिजौर नींबू पुं. (अं.) 1. पतन, गिरना, प्रपात 2. साड़ी के नीचे लगाई जाने वाली पट्टी।

**फायदा पुं.** (अर.) 1. लाभ, नफा 2. प्राप्ति 3. उपयोग 4. प्रयोजन सिद्धि 5. हित, भलाई 6. अच्छा फल अथवा अच्छा प्रभाव 7. गुण।

**फायदेमंद वि.** (अर.) 1. लाभदायक, लाभकारी 2. उपयोगी 3. हितकारी 4. अच्छा फल देने वाला 5. गुणकारी।

**फायर पुं.** (अं.) 1. जलाने वाला तत्व, अग्नि, आग, अनल 2. आग लग जाने की घटना अथवा आग लगने की स्थिति, अग्निकांड 3. आग जलना अथवा जलाना, दहन, ज्वलन 4. ला.अर्थ- उमंग, उत्साह, जोश 5. आग की लपट, ज्वाला, दाह, ताप (लाक्षणिक) दुःखादि से